MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
July 2024

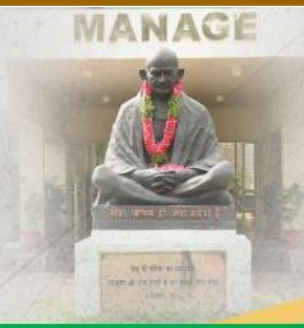

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज सौर ऊर्जा: एक सतत भविष्य के लिए मार्ग को रोशन करना

मैनेज ने शैक्षणिक भवन में 75 केडब्ल्यूपी सोलर रूफटॉप ग्रिड कनेक्टेड सिस्टम स्थापित किया है, जिससे संस्थान की बिजली खपत में आत्मनिर्भरता 75% तक बढ़ गई है।

इस नवीनतम स्थापना के साथ, मैनेज की सोलर रूफटॉप ग्रिड-कनेक्टेड सिस्टम की कुल क्षमता अब 225 केडब्ल्यूपी है, और राजेंद्रनगर में यह क्षमता हासिल करने वाली यह पहली संस्थान है।

इस अवसर पर, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संस्थान 100% हरित परिसर बनने की ओर अग्रसर है और संस्थागत हरियाली के लिए एक मानक स्थापित करेगा। इस कार्यक्रम में मैनेज के संकाय सदस्य, कर्मचारी, कंसलटेंट और मैनेज परिवार के सदस्य मौजूद थे।

श्री जॉन मनोज, सहायक अभियंता, मैनेज और उनकी टीम ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

महानिदेशक का संदेश

संस्थागत हरियाली में अग्रणी भूमिका

पिछले महीने जब हम 37 उल्लेखनीय वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे थे, मुझे 100% हरित परिसर बनने की दिशा में मैनेज की महत्वपूर्ण प्रगति को उजागर करने में बहुत गर्व महसूस हो रहा था। हमने परिसर में कुल 225 केडब्ल्यूपी सोलार रूफटॉप ग्रिड कनेक्टेड सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किए हैं, जिससे हम राजेंद्रनगर में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले संस्थान बन गए हैं। यह सततता स्थिरता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, अब हमारी 75% ऊर्जा ज़रूरतें संभवतः इस नए स्थापित सोलर रूफटॉप ग्रिड कनेक्टेड सिस्टम के माध्यम से पूरी होंगी।

सततता के प्रति हमारे प्रयास ऊर्जा हेतु स्वतंत्रता से कहीं आगे तक फैले हुए हैं। हमारी "मि एंड माई प्लांट" पहल के तहत प्रत्येक वर्ष पीजीडीएम-एबीएम बैच के छात्र सक्रिय रूप से पौधे लगाते हैं, और प्रकृति के साथ गहरा संबंध बनाते हैं और एक हरियाली भरे परिसर बनाने में योगदान देते हैं। हमें विस्तार लॉन्स शुरू करने पर भी गर्व है, जो एक नया सुंदर उद्यान है जिसमें एक फव्वारा, लाईटिंग और संगीत की व्यवस्था है। यह हरा भरा स्थान विभिन्न गतिविधियों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें मैनेज के इवेंट, समूह गतिविधियाँ, योग सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नियमित वॉकिंग और कार्यालयीन आउटडोर समारोह शामिल हैं।

हमारी हरित पहल यहीं नहीं रुकती। हमने बांस के बागान, प्लास्टिक मुक्त परिसर, वर्मीकंपोस्टिंग, पक्षियों के लिए पानी में खेलने की जगह, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और परिसर में इलेक्ट्रिक बग्गी की शुरुआत को शामिल करने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाया है। इस तरह की परियोजनाएं, संस्थागत हरित पहलों के लिए मानक स्थापित करने के लिए हमारे समर्पण को मजबूत करती हैं। जैसा कि हम अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, हम सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और अपने हितधारकों को हरित भविष्य में योगदान देने के लिए सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम सततता की ओर इस यात्रा को जारी रखने और दूसरों को हमारे नक्शेकदम पर चलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

डॉ. पी. चन्द्रा शेखरा
महानिदेश, मैनेज

इस अंक में.....

• मैनेज सोलर पावर: सतत भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना	1
• महानिदेशक का संदेश	2
• ओडिशा के बागवानी क्षेत्र में बदलाव	3&4
• कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	5
• रेणुका रानी और श्री सी. नारायण की सेवनिवृति समारोह	5
• कृषि-स्टार्टअप हितधारक संपर्क: सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देना	6
• ओपन एक्सेस पब्लिशिंग पर कार्यशालाएं	7
• मैनेज ने एनआईएएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया	7
• ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए विस्तार रणनीतियाँ	8
• आईसीटी अनुप्रयोगों के साथ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	8
• केजीकेएल 30 : किसान उत्पादक संगठन को कैसे मजबूत करें	9
• केजीकेएल 31 : कृषि विस्तार का अभ्यास: मेरे अनुभव	10
• हरित मैनेज	11
• मैनेज माइलस्टोन पर होर्डिंग का अनावरण	12
• प्राकृतिक खेती टीम के लिए नया स्मार्ट कार्यक्षेत्र	12
• पाँचवा पुस्तक वाचन सत्र और डॉ. सिंधुरा का मेडिकल ऑफिसर के रूप में मैनेज में शामिल होना	13

ओडिशा के बागवानी क्षेत्र में बदलाव:

बटन मशरूम के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन पर प्रशिक्षण

मैनेज ने दिनांक 02-09 जुलाई, 2024 को ओडिशा के बागवानी अधिकारियों, बागवानी विस्तार कार्यकर्ताओं और किसानों के लिए "बटन मशरूम के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन" पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण-सह-एक्सपोज़र विज़िट कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसे बागवानी निदेशालय, ओडिशा सरकार द्वारा आयोजित किया गया।

यह वर्ष 2024-25 में निर्धारित 24 कार्यक्रमों की श्रृंखला में 53 प्रतिभागियों वाला पहला कार्यक्रम है, जिसमें ओडिशा के कुल 1500 अधिकारी और किसान शामिल होंगे।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने उद्घाटन भाषण में शहरी क्षेत्रों में मशरूम की उच्च मांग पर प्रकाश डाला, क्योंकि इसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले तत्व सहित स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं।

उन्होंने मशरूम की खेती में अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को संघबद्ध करने, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं बनाने, डिजिटल विपणन प्लेटफार्मों का उपयोग करने और ओडिशा सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

यह कार्यक्रम मशरूम के पोषण संबंधी महत्व और मूल्य-वर्धित उत्पादों पर केंद्रित है। इसमें बटन मशरूम की खेती, प्रबंधन और अपशिष्ट निपटान के तरीके और मशरूम उद्यम स्थापित करने के लिए व्यवसाय योजना तैयार करना शामिल है।

इन प्रतिभागियों को क्षेत्र की स्वच्छता और पुआल वंध्यीकरण, कीट और रोग प्रबंधन, तथा बटन मशरूम के लिए डिजिटल मार्केटिंग में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम व्यावहारिक मुद्दों को समझने के लिए मशरूम इकाइयों, निजी मशरूम उद्यमों और प्रौद्योगिकी पार्कों में व्यावहारिक अभ्यास और प्रदर्शन यात्राओं के लिए अधिक अवसर प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम के अंत में अधिकारी और किसान अगले 6 महीने में कार्यान्वयन के लिए बैक एट वर्क प्लैन तैयार किए है। डॉ. वीनिता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडीज), मैनेज इस कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक रही।

ओडिशा के बागवानी क्षेत्र में बदलाव:

विश्व स्तर पर स्वीकृत सर्वोत्तम बागवानी पद्धतियाँ:

मैनेज ने ओडिशा राज्य के बागवानी अधिकारियों के लिए दिनांक 13-19 जुलाई, 2024 को "विश्व स्तर पर स्वीकृत सर्वश्रेष्ठ बागवानी प्रथाओं" पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रदर्शन यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के बागवानी निदेशालय के कुल 27 अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में फलों एवं सब्जियों की फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों, उद्यमशीलता के अवसरों और बागवानी मूल्य श्रृंखला विकास प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इन प्रतिभागियों ने कई तरह के एक्सपोज़र विज़िट के ज़रिए अनुभव प्राप्त किया, जिसमें संगारेड्डी में फ्रूट रिसर्च स्टेशन, एसकेएलटीएसएचयू, दक्कन एक्सोटिक्स, नलगोंडा में कट्टंगुर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, मुलुगु में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर फ्रूट्स और कलगुरा गम्पा शामिल हैं, जो बागवानी उत्पाद प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन में विशेषज्ञता रखने वाली एक सफल महिला उद्यमी की उद्यम है। इसके अलावा, एसकेएलटीएसएचयू में फ्लोरीकल्चरल रिसर्च स्टेशन का एक्सपोज़र विज़िट भी आयोजित किया गया।

अपने समापन भाषण में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कृषि पद्धतियों को आगे बढ़ाने में एफपीओ, एसएचजी और सीआईजी जैसे समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कृषि मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने में भंडारण, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों को सशक्त बनाने और बाजारों और सूचनाओं तक उनकी पहुँच में सुधार करने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों के एकीकरण पर जोर दिया।

डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक (एसए व सीसीए), मैनेज इस कार्यक्रम के निदेशक रहे।

कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 03 से 05 जुलाई, 2024 को "संस्थागत ऋण प्रवाह के माध्यम से कृषि आधारित लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को बढ़ावा देने" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पूरे भारत के कृषि विस्तार और एफपीओ के एक सहायक प्रोफेसर और पेशेवरों सहित कुल 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. के. सी. गुम्मागोलमठ निदेशक (एम एंड ई), मैनेज ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने रोजगार सृजन, स्थानीय विकास प्रोत्साहन और किसानों की आय में वृद्धि के माध्यम से, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में एसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

इसके अलावा, उन्होंने एसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता और लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए आधुनिक विपणन रणनीतियों को अपनाने और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को अनुकूलित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

यह कार्यक्रम एसएमई के लिए ऋण मूल्यांकन, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रभावी बाजार संपर्क बनाने, एसएमई के लिए प्रमुख सरकारी योजनाओं की खोज, कृषि आधारित उद्योगों में व्यावसायिक अवसरों की पहचान, मूल्य श्रृंखला आधारित मॉडल को लागू करने, कृषि स्टार्टअप और उद्यमियों के साथ बातचीत करने के लिए टी-हब का दौरा करने, पशुधन क्षेत्र में नवीन विचारों पर चर्चा करने और विशेष रूप से वाणिज्यिक फसल उत्पादन में एसएमई निर्यात क्षमता की खोज करने पर केंद्रित है।

डॉ. एम. श्रीकांत, निदेशक (एबीएम), मैनेज इस कार्यक्रम के निदेशक के रहे।

डॉ. बी. रेणुका रानी और श्री सी. नारायण का विदाई समारोह

मैनेज ने अपने दो पारिवारिक सदस्यों डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम) और श्री सी. नारायण, मल्टी-टास्किंग स्टाफ को दिनांक 31 जुलाई, 2024 को सफलतापूर्वक अपनी सेवा पूरी करने पर विदाई दी।

डॉ. बी. रेणुका रानी ने 28 वर्षों से अधिक समय तक मैनेज में अपनी सेवाएं दीं और पार्टीसिपेटरी वाटरशेड डिवलपमेंट, महिला स्वयं सहायता समूह, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और कृषि में सामाजिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री सी. नारायण ने 32 साल से अधिक समय तक मैनेज में बहुकार्य कर्मचारी के रूप में अकाउंट्स, पीजीडीएम (एबीएम) और डीजी ऑफिस जैसे प्रमुख विभागों में समर्पण के साथ काम किया। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और टर्मिनल बेनेफिट सौंपा।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और मैनेज के संकाय, स्टाफ सदस्यों ने उनके साथ अपने सहयोग के बारे में बात की और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कृषि-स्टार्टअप हितधारक संपर्क: सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देना

एआईएचएसएईडब्ल्यू, कोयंबटूर

कृषि-स्टार्टअप हितधारक संपर्क: "सहयोग और भागीदारी कार्यक्रम को बढ़ावा देना" मैनेज-सीआईए और अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, कोयंबतूर द्वारा दिनांक 28 जून, 2024 को संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम कृषि क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, इस कार्यक्रम में कोयंबटूर के कई स्टार्टअप और कृषि हितधारकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम को सावधानीपूर्वक एक ऐसा मंच बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था जो शोधकर्ताओं, इनक्यूबेटरों, नीति निर्माताओं, कृषि उद्यमियों, स्टार्टअप, कृषि-उद्योगों, निवेशकों, विस्तार कार्यकर्ताओं, छात्रों और राज्य के अन्य भागीदारों को एकजुट करता हो।

डॉ. सरवनण राज, निदेशक (कृषि विस्तार) और सीईओ, मैनेज- सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एग्रीप्रेन्योरशिप ने कार्यक्रम का और कृषि स्टार्टअप में नवाचारों पर उन्मुखीकरण के लिए मुख्य भाषण दिया और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में 450 से अधिक उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख (प्रभारी), क्षेत्रीय स्टेशन, आईसीएआर के एप्लाइड जीनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, प्रधान वैज्ञानिक और ओआईसी, आईसीएआर-एसबीआई के एबीआईएस-टीबीआई के कार्यकारी निदेशक और सीईओ, एआईसी इनक्यूबेशन सेंटर के एसोसिएट लीड, केआईटीएस, करुण्या विश्वविद्यालय के एक एसोसिएट प्रोफेसर और वैज्ञानिक आईसीएआर-केवीके शामिल थे, जो सभी कोयंबटूर में स्थित हैं।

इस कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के 22 स्टार्टअप्स के साथ-साथ कृषि में एमबीए, पीएचडी, बीएससी और एमएससी की डिग्री प्राप्त करने वाले 400 छात्रों ने भी भाग लिया।

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के सहयोग से मैनेज-सीआईए ने एग्री-स्टार्टअप स्टेकहोल्डर्स कनेक्ट- "सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देना" का आयोजन किया। इस अवसर पर त्रिपुरा के कई स्टार्ट-अप और कृषि हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस कार्यक्रम ने स्टार्टअप्स, विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों को उत्पादक संवाद में शामिल होने, विचारों का आदान-प्रदान करने और स्टार्टअप परिदृश्य के विकास में सामूहिक रूप से योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप भी शामिल हुए, जिनकी उपस्थिति ने विविध दृष्टिकोणों को सामने लाकर चर्चाओं को महत्वपूर्ण बना दिया। डॉ. सरवनण राज, निदेशक (कृषि विस्तार) और सीईओ, मैनेज-सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एग्रीप्रेन्योरशिप ने कार्यक्रम का समन्वय किया और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचारों पर एक मुख्य भाषण दिया।

इस कार्यक्रम में 200 से अधिक उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां और 16 स्टार्टअप्स, तथा 100 बीएससी एवं एमएससी कृषि छात्र शामिल थे।

ओपन-एक्सेस प्रकाशन पर कार्यशाला

मैनेज ने दिनांक 30 जुलाई 2024 को ओपन रिसर्च फंडर्स ग्रुप और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से "ओपन-एक्सेस पब्लिशिंग" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संगठनों, इंजीनियरिंग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के 35 से अधिक पुस्तकालयाध्यक्ष, प्रकाशन संपादक, संकाय सदस्य, शोधकर्ता और विद्वानों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में कृषि में ओपन एक्सेस, ओपन एक्सेस और नैतिक मानकों के महत्व पर तकनीकी सत्र, ओजेएस (ओपन जर्नल सिस्टम) और ओआरसीआईडी एपीआई का परिचय, और प्रतिभागियों के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी जैसे विषयों को शामिल किया गया है। अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी को ज्ञान के प्रसार का मैनेज का दर्शन ओपन एक्सेस मूवमेंट के सिद्धांतों के करीब है। सभी ओपन एक्सेस मूवमेंट के सिद्धांतों के करीब हैं। उन्होंने इस हितधारकों से उत्पन्न होता है। उन्होंने मैनेज - एग्री फिल्म फेस्टिवल, कृषि ज्ञानदीप व्याख्यान, नेशनल नेटवर्क ऑफ एग्री जर्नलिस्ट्स आदि की कई पहलों को साझा किया, जो कृषि में ओपन एक्सेस को बढ़ावा देते हैं। बात पर जोर दिया कि ओपन एक्सेस उस अत्यधिक उपयोगी ज्ञान के संदर्भ में प्रासंगिक है जो क्षेत्र के कई

डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, पूर्व डीडी, मैनेज, डॉ. मोहित गर्ग, सहायक लाइब्रेरियन, आईआईटी दिल्ली, डॉ. श्रीधर गौतम, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएचआर, बेंगलुरु ने भी देश में ओपन एक्सेस आंदोलन को लोकप्रिय बनाने के लिए ओपन एक्सेस प्रकाशन, प्लेटफॉर्म, नैतिक और नीतिगत मुद्दों के महत्व पर बात की। डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अटालुरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन) और श्री नितेश कुमार, अकादमिक एसोसिएट (केएम), मैनेज ने कार्यशाला का समन्वय किया।

मैनेज ने सीसीएस-एनआईएएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

श्री फैज अहमद किदवई, आईएएस, अपर सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और महानिदेशक सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (सीसीएस-एनआईएएम), जयपुर और डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने दिनांक 10 जुलाई, 2024 को कृषि भवन, नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य कृषि विस्तार और विपणन, कटाई के बाद प्रबंधन, मूल्य श्रृंखला, आपूर्ति श्रृंखला, ब्रांडिंग, डिजिटल विपणन और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण, कौशल विकास और मानव संसाधनों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सहयोग को बढ़ावा देना है।

यह समझौता ज्ञापन प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, ज्ञान साझाकरण और नीति संवादों के आयोजन में मैनेज और सीसीएस-एनआईएएम के बीच सहयोग को भी सुगम बनाएगा।

ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने पर विस्तार रणनीतियाँ

मैनेज ने दिनांक 11 जुलाई, 2024 को "ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए विस्तार रणनीति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर के समेति (SAMETI) के निदेशकों, उप निदेशकों, बागवानी अधिकारियों और कृषि अधिकारियों सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में जोखिम प्रबंधन के लिए फसल बीमा, एसटीआरवाई के अंतर्गत कार्यक्रम-पश्चात सहायता, पौध संरक्षण में कौशल अवसर, तथा कौशल विकास के लिए विस्तार प्रणाली को पुनः उन्मुखीकरण जैसे मुद्दों को शामिल किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास के महत्व और कृषि क्षेत्र को बदलने की इसकी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्यबल में उनकी सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि कौशल विकास के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, हरित प्रौद्योगिकी और कृषि में डिजिटल साक्षरता जैसे मौजूदा मुद्दों को संबोधित करके ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सरकारी योजनाओं और किसानों की विशिष्ट आवश्यकताओं के साथ जोड़ना महत्वपूर्ण है। डॉ. संजय कुमार, अतिरिक्त आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने आधुनिक कृषि में नई प्रौद्योगिकियों के साथ स्टार्टअप के उदय पर प्रकाश डाला, कुशल जनशक्ति की आवश्यकता और इन प्रगति के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संरेखित करने के महत्व पर बल दिया। डॉ. शैलेंद्र, निदेशक (कृषि विपणन), मैनेज ने कार्यशाला का समन्वय किया।

आईसीटी अनुप्रयोगों के साथ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 22-26 जुलाई, 2024 तक "आईसीटी अनुप्रयोगों के साथ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। विभिन्न कृषि संगठनों के सहायक निदेशक, सहायक प्रोफेसर, सहायक आयुक्त और उप निदेशकों सहित कुल 15 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, कृषि के लिए एआई उपकरण, कृषि के लिए आईसीटी समाधान और कृषि फसल आधारित मॉडल में आईओटी और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की निगरानी के लिए रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) का अवलोकन शामिल है।

इन प्रतिभागियों ने मौसम आधारित कृषि और सलाहकार सेवाओं के लिए डिजिटल अनुप्रयोगों की भी खोज की और महासागर पूर्वानुमान के लिए आईएनसीओआईएस और कृषि-फोटोवोल्टिक प्रणालियों के लिए पीजेटीएसएयू का दौरा किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को कृषि में जलवायु परिवर्तन को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए उन्नत उपकरणों और ज्ञान से लैस करना है।

केजीकेएल 30:: किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को कैसे मजबूत करें

आईएनएसईई के अध्यक्ष और यूएएस बैंगलोर के पूर्व कुलपति डॉ. के. नारायण गौड़ा ने दिनांक 22 जुलाई, 2024 को मैनेज में "किसान उत्पादक संगठन को कैसे मजबूत किया जाए" विषय पर 30वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप लेक्चर सीरीज (केजीकेएलएस) व्याख्या दिया।

डॉ. के. नारायण गौड़ा ने अपने व्याख्यान में कहा कि किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन वस्तु-विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर किया जाना चाहिए, जिसके सदस्य समान लक्ष्य साझा करें और समान चुनौतियों का सामना करें। उन्होंने मजबूत नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला जो समस्याओं को प्रभावी ढंग से समाधान में बदल सकता है और एफपीओ को उनकी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए विपणन, आर्थिक और वित्तीय संस्थानों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एफपीओ को मजबूत करने के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से निरंतर समर्थन, निगरानी और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शोषण को खत्म करने के लिए किसानों को एकजुट होना चाहिए और अपनी आय बढ़ाने के लिए संगठन बनाना चाहिए।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने डॉ. के. नारायण गौड़ा के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने भारत भर में एफपीओ को मजबूत करने में उनके अथक प्रयासों और विश्वविद्यालय परीक्षा प्रणाली के मानकीकरण में अपना योगदान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्रतिष्ठित पेशेवरों की अंतर्दृष्टि विस्तार कार्यकर्ताओं और किसानों को अपनी रणनीतियों को परिष्कृत करने में सहायता करने में अमूल्य है।

कृषि विस्तार विशेषज्ञ एवं पूर्व सलाहकार, योजना आयोग, भारत सरकार डॉ. वी.वी. सदामाते भी उपस्थित थे। डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया।

सम्पूर्ण व्याख्यान देखने के लिए क्लिक करें:
https://youtu.be/c5TTR-9Q_Jw?si=NJ1x_dMtTFM8vkQA

केजीकेएल 31: कृषि विस्तार का अभ्यास: मेरा अनुभव

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने दिनांक 30 जुलाई, 2024 को मैनेज में "कृषि विस्तार का अभ्यास: मेरा अनुभव" विषय पर 31वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज लेक्चर सीरीज (केजीकेएलएस) व्याख्या दिया।

अपने सारगर्भित व्याख्यान में डॉ. पी. चन्द्रा शेखरा, महानिदेशक मैनेज ने कहा कि सीखना और विस्तार का उपदेश देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि इसके लिए जमीनी स्तर पर अभ्यास, हितधारकों को संवेदनशील बनाना और बेहतर प्रभाव के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को शामिल करना आवश्यक है।

अपने करियर से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि विस्तार में चुनौतियों को सफलता प्राप्त करने के अवसरों के रूप में देखा जाना चाहिए। कृषि विस्तार व्यवसायी के रूप में अपने जीवन से उदाहरण देते हुए उन्होंने मूल्यवान बाते साझा किया जैसे बिंदुओं को जोड़ना, हितधारकों को शामिल करना, दी गई स्थिति में अनुकूलन और विकास करना, एकीकरण की योजना बनाना और उपलब्धियों को पहचानना विस्तार पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने मैनेज और अन्य संगठनों में विस्तार पेशेवर के रूप में अपनी यात्रा की यादें ताज़ा कीं। उन्होंने बताया कि कैसे मैनेज में एसी एंड एबीसी, देसी योजनाएं, एटीएमए और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम जैसी पहल प्रभावी अच्छे कृषि विस्तार प्रथाओं के माध्यम से विकसित हुई हैं।

इस सत्र में मैनेज के संकाय, कर्मचारी, कंसलटैंट, मैनेज फेलो, जय जवान किसान बैच के प्रशिक्षु और पीजीडीएम-एबीएम वर्ष 2024-26 बैच के छात्र मौजूद थे और उन्होंने अपने प्रश्नों के माध्यम से डॉ. पी. चंद्रा शेखरा के साथ बहुत ही उपयोगी चर्चा की। डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

सम्पूर्ण व्याख्यान देखने के लिए क्लिक करें:
https://youtu.be/vm_3gEqhmsU?si=3xUXujX93FLttoWW

हरित मैनेज: मैं और मेरा पौधा

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज के नेतृत्व में "मी एंड माई प्लांट" पहल के तहत, पीजीडीएम-एबीएम बैच वर्ष 2024-26 के 120 छात्रों ने दिनांक 09 जुलाई, 2024 को मैनेज के महानिदेशक, डॉ. के. आनंद रेड्डी, प्रिंसिपल कोऑर्डिनेटर, पीजीडीएम-एबीएम और संकाय सदस्यों के साथ मिलकर पौधे लगाए। इस पहल में प्रत्येक छात्र एक पौधा लगाता है और अगले दो वर्षों तक उसकी देखभाल करता है।

इस अवसर पर, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर वैश्विक मुद्दा है और यह पहल इसे संबोधित करने के लिए मैनेज द्वारा उठाया गया एक छोटा सा कदम है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में जब छात्र मैनेज आएंगे तो उनके पौधे उनका स्वागत करेंगे और उनके लिए मजबूत यादें बनेंगे। इस पौधारोपण के लिए मैनेज के संकाय और कर्मचारी मौजूद थे। श्री जॉन मनोज, सहायक अभियंता, उनकी टीम और मैनेज की बागवानी टीम के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

हरित मैनेज: विस्तार लॉन्स

मैनेज ने विस्तार लॉन्स नाम से एक नया हरित सुंदर उद्यान स्थापित किया है, जिसमें फव्वारा, परिवेश प्रकाश और संगीत प्रणाली है, जिसका उद्घाटन दिनांक 5 जुलाई, 2024 को डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज द्वारा किया जाएगा।

इस उद्यान को विभिन्न गतिविधियों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें मैनेज इवेंट, समूह गतिविधियाँ, योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, दैनिक सैर और आधिकारिक आउटडोर समारोह शामिल हैं। महानिदेशक, मैनेज ने श्री जॉन मनोज, सहायक अभियंता और उनकी टीम और मैनेज की बागवानी टीम के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस उद्यान को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत की।

मैनेज माइलस्टोन्स को प्रदर्शित करने वाले होर्डिंग का अनावरण

37 वर्षों की मैनेज यात्रा, मील के पत्थर और नवाचारों को प्रदर्शित करने वालों एक होर्डिंग दिनांक 29 जुलाई, 2024 को डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज द्वारा खोला गया। होर्डिंग में वर्ष 1987 में अपनी स्थापना के बाद से कृषि विस्तार प्रणाली को जीवंत और उत्तरदायी बनाने की दिशा में मैनेज द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाया गया है।

इस अवसर पर डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि यह होर्डिंग संस्थागत स्मृति के रूप में काम करेगा।

प्राकृतिक खेती टीम के लिए नया स्मार्ट वर्कस्पेस

मैनेज ने अपनी प्राकृतिक खेती परियोजना टीम के लिए एक नया स्मार्ट वर्कस्पेस स्थापित किया है, जिसका उद्घाटन दिनांक 05 जुलाई, 2024 को डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक-मैनेज द्वारा किया गया। यह वर्कस्पेस आधुनिक क्यूबिकल्स से सुसज्जित है, जिसमें कंप्यूटर, प्रिंटर, स्टोरेज, इंटरकॉम और समूह मीटिंग की सुविधा है। मैनेज को राष्ट्रीय स्तर पर क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, कार्यशालाओं, दस्तावेज़ीकरण और ज्ञान साझा करने वाली गतिविधियों के रूप में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में पहचाना जाता है।

इस नए कार्यस्थल में प्राकृतिक खेती परियोजना की सभी गतिविधियाँ एक ही छत के नीचे होंगी। महानिदेशक, मैनेज ने समय पर काम पूरा करने के लिए डॉ. एन. बालासुब्रमणी, निदेशक (एसएसए और सीसीए) उनकी प्राकृतिक खेती टीम और श्री जॉन मनोज, सहायक अभियंता और उनकी टीम की सराहना की।

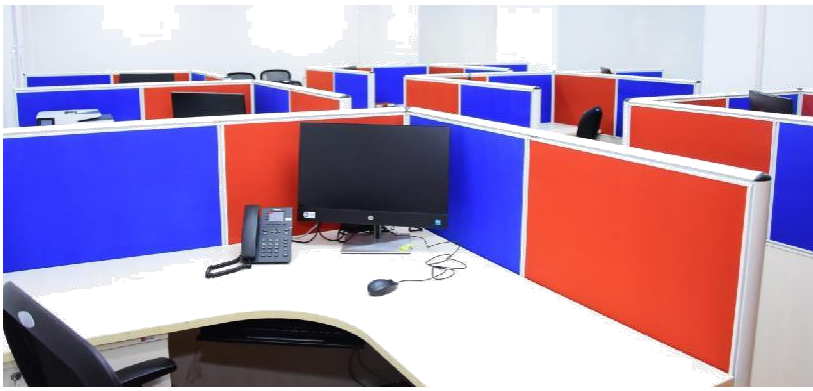

पांचवां पुस्तक वाचन सत्र

5वां पुस्तक वाचन सत्र, श्री नितेश कुमार, अकादमिक एसोसिएट (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज द्वारा दिनांक 27 जुलाई, 2024 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कंसलटैंट, मैनेज फेलो और मैनेज स्टाफ एक समृद्ध साहित्यिक अनुभव के लिए एक साथ आए।

श्री कृष्ण दाभोलकर, आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज ने हेक्टर गार्सिया और फ्रांसेस्क मिरालेस की पुस्तक "इकिगाई: द जापानीज सीक्रेट टू ए लॉन्ग एंड हैप्पी लाइफ" पर चर्चा करके सत्र की शुरुआत की। उन्होंने पुस्तक के चार मुख्य तत्वों पर प्रकाश डाला: हमें क्या पसंद है, हम किसमें अच्छे हैं, दुनिया को क्या चाहिए और हमें किस चीज के लिए भुगतान मिल सकता है। पुस्तक प्राचीन जापानी संस्कृति को आधुनिक अंतर्दृष्टि के साथ एकीकृत करती है, विशेष रूप से ओकिनावा के लोगों की दीर्घायु और जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि पुस्तक छोटी-छोटी चीजों में खुशी खोजने, रिश्तों को पोषित करने और दूसरों के लिए मौजूद रहने पर जोर देती है।

इसके बाद, श्री नितेश कुमार ने यानिस वरुफ़ाकिस की पुस्तक "टेकोफ़्यूडलिज़्म: व्हाट किल्ड कैपिटलिज़्म" की अवधारणा पेश की। उन्होंने पुस्तक का सारांश देते हुए कहा कि पूंजीवाद की जगह एक नई आर्थिक प्रणाली ने ले ली है जहाँ तकनीकी दिग्गज और प्लेटफ़ॉर्म मालिक अभूतपूर्व शक्ति का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, वरुफ़ाकिस के अनुसार, ये संस्थाएँ बाज़ारों, डेटा और इंटरैक्शन को नियंत्रित करती हैं, जिससे डिजिटल सामंतवाद को बढ़ावा मिलता है। सत्र आकर्षक चर्चाओं और नए दृष्टिकोणों के साथ संपन्न हुआ, जिससे यह एक शानदार सफलता बन गया।

डॉ. सिंधुरा मेडिकल ऑफिसर के रूप में मैनेज में शामिल हुईं

डॉ. सिंधुरा तुंगाला दिनांक 31 जुलाई, 2024 को मेडिकल ऑफिसर के रूप में मैनेज में शामिल हुईं। उन्होंने पहले ए आई आई एम एस, जेआईपीएमईआर, एनआईएमएस और एचएन रिलायंस जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में काम किया है, और उनकी सबसे हालिया नियुक्ति जेआईपीएमईआर में मेडिकल ऑफिसर के रूप में हुई है। डॉ. सिंधुरा ने केआईएमएस, अमलापुरम से प्रथम श्रेणी में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है। मैनेज उनका अपने परिवार में स्वागत करता है और उन्हें शुभकामनाएं देता है।

संपादकीय सदस्य

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: **www.manage.gov.in**

मुख्य संपादक

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा,
महानिदेशक, मैनेज

संपादक

डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालूरी
उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद

डॉ. के. श्रीवल्ली, सहा.निदेशक (रा.भा.)
सुश्री पुजा दास, वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

एसोसिएट एडिटर्स

श्री कृष्णा दाभोलकर,
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज